DAINIK BHASKAR, DATE - 20.11.2018, PAGE NO. - 2

सीयूजे में झारखंड चिल्ड्रेन फिल्म फेस्टिवल पर कार्यशाला

'झारखंड में बच्चों के लिए ज्यादा से ज्यादा फिल्में बनाने की है जरूरत'

सिटी रिपोर्टर | रांची

झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग, यूनिसेफ और बाल फिल्म सोसाइटी इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को झारखंड चिल्ड्रन फिल्म फेस्टिवल और सिनेमा के सौंदर्यशास्त्र पर राष्ट्रीय कार्यशाला शुरू हुई। इस दो दिवसीय कार्यक्रम के उद्घाटन में झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नंद कुमार यादव इंदु, फिल्म निर्देशक बतुल मुख्तियार, युनिसेफ की संचार अधिकारी मोयरा दावा, चिल्ड्रन फिल्म सोसाइटी इंडिया के राजेश गोहील, जनसंचार विभागाध्यक्ष डॉ. देव व्रत सिंह, फिल्म फेस्टिवल के समन्वयक डॉ सुदर्शन यादव मौजूद थे।

मुख्य अतिथि ने कहा कि झारखंड में बच्चों के लिए फिल्मों के निर्माण में वृद्धि की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इसके लिए स्थानीय एवं केंद्र सरकार से भी सहायता मांगी जा सकती है। इस कड़ी में यह कार्यक्रम एक अच्छी पहल है। अपने संबोधन में उन्होंने बिहार-झारखंड में फिल्म सोसाइटी बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया, जिससे बच्चों से संबंधित फिल्म निर्माण को बढ़ावा मिल सके।

बच्चे वयस्कों की फिल्में और विदेशी कार्टून देख रहे

जनसंचार विभागाध्यक्ष डॉ. देवव्रत सिंह ने कहा कि जन संचार विभाग पिछले 3 सालों से यूनिसेफ के साथ मिलकर बच्चों के विकास से संबंधित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है। फिल्मों के बारे में बात करते हुए कहा कि बच्चों के लिए बनने वाली फिल्मों की कमी के कारण बच्चे वयस्कों की फिल्में और विदेशी कार्टून देख रहे हैं। साथ ही ये भी प्रश्न किया सबसे ज्यादा फिल्मों का निर्माण करने वाली बॉलीवुड में बच्चों के लिए कितनी फिल्में बनती हैं। यूनिसेफ की प्रतिनिधि मोयरा दावा ने कहा कि कल अंतरराष्ट्रीय बाल दिवस है, जो बाल अधिकारों को संयुक्त राष्ट्र संघ की तरफ से स्वीकृति मिलने के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। ऐसे में इस तरह का आयोजन बहुत मायने रखता है। इस अवसर पर सीयूजे झारखंड एवं विभिन्न राज्यों के शिक्षण संस्थानों के प्रतिभागी तथा यूनिसेफ के बाल पत्रकार उपस्थित थे।

केंद्रीय विश्वविद्यालय में झारखंड चिल्ड्रेन फिल्म फेस्टिवल

जासं, रांची : केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड के जनसंचार विभाग, यूनिसेफ और बाल फिल्म सोसाइटी इंडिया के संयुक्त तत्वावधान से दो दिवसीय 'झारखंड चिल्ड्रेन फिल्म फेस्टिवल और सिनेमा के सौंदर्यशास्त्र' पर राष्ट्रीय कार्यशाला की शुरूआत सोमवार को हुई। कार्यक्रम में मुख्य रूप से झारखंड केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नंद कुमार यादव, फिल्म निर्देशक बतुल मुख्तियार, युनिसेफ की संचार अधिकारी मोयरा दावा, चिल्ड्रेन फिल्म सोसाइटी इंडिया के राजेश गोहील, जनसंचार विभागाध्यक्ष डॉ देव व्रत सिंह, फिल्म फे स्टिवल के समन्वयक डॉ सुदर्शन यादव शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नंद कुमार यादव ने कहा कि झारखंड में बच्चों के लिए फिल्मों के निर्माण में वृद्धि की आवश्यकता है। स्वागत भाषण देते हुए जन संचार विभागाध्यक्ष डॉ. देवव्रत सिंह ने कहा कि जन संचार विभाग पिछले तीन साल से यूनिसेफ के साथ मिलकर बच्चों के विकास से संबंधित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर रहे हैं।

DAINIK JAGRAN
DATE - 20.11.2018
PAGE NO. - II